

# Intl conference at IIM stresses on doctoral research

TOI



Participants at the conference

TIMES NEWS NETWORK

**Indore:** The five-day sixth international conference on excellence in research and education (CERE-2014) started at Indian Institute of Management, Indore (IIM-I) from Thursday.

Organised by students of fellow programme in management (FPM), the conference was inaugurated by director of the institute Rishiksha T Krishnan along with IIM-B professor Ramadhar Singh, chair, FPM- Ranjeet Nambudiri and conference coordinator Shashi Kant Srivastava.

The objective of the conference

is to encourage research in education and promote doctoral research in academic institutions and to share work, providing a platform for new initiatives and partnerships.

The institute had received a total of 650 research papers in diverse areas of management. Of these, only about 30% of the papers were selected for presentation and 10% of such papers would be published in post conference proceedings. Over 150 participants from institutions across the globe have registered. Over the next four days, participants will interact with eminent speakers.



# Meet to promote research work begins

**HT Correspondent**

editorbhopal@hindustantimes.com

**INDORE:** In order to encourage research in education and promote doctoral research in academic institutions, four-day sixth International Conference on Excellence in Research and Education (CERE-2014) was inaugurated at the Indian Institute of Management - Indore on Thursday. The conference will continue till May 12.

It is a forum for sharing research work and providing a platform for new initiatives and partnerships. The conference is

**A TOTAL OF 650  
RESEARCH PAPERS WERE  
RECEIVED IN THE DIVERSE  
AREAS OF MARKETING,  
HUMAN RESOURCES  
AND MANAGEMENT**

truly global with participants from United States, Canada, Uganda, and neighbouring countries of India coming and sharing their research ideas. Participants will interact with experts from educational institutions, industry and research

organisations and get directions for their research work.

This year, a total of 650 research papers were received in the diverse areas of management such as economics, finance, information systems, marketing, human resources, strategic management, operations management, business communication, corporate governance, social issues and education and others.

Of these, only about 30% of the papers were selected for presentation and 10% of such papers would be published in the post conference proceed-

ing.

Over the next four days, the participants will interact with eminent keynote speakers including Professor Surendra Rajiv, National University of Singapore; Professor Pawan Budhwar, Aston University, UK and so on.

Earlier, the conference was inaugurated by Prof Rishiksha T Krishnan, director, IIM-I. Prof Ramadhar Singh from IIM Bangalore, Prof Ranjeet Nambudiri, chair, FPM and Shashi Kant Srivastava, conference coordinator were also present on the occasion.

**Hindustan Times, May 9, 2014, Page- 3**



# आज टीचिंग में इनोवेशन की है बहुत जरूरत

## INTERNATIONAL CONFERENCE

आईआईएम इंदौर में पांच दिनी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस गुरुवार से शुरू हुई। इसमें 150 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स शामिल हैं।

सिटी रिपोर्टर ► इंदौर

आज टीचिंग में इनोवेशन की सख्त जरूरत है। यह काम पार्टिसिपेंट्स सेंटर्ड लर्निंग मेथड्स और नॉन कन्वेंशनल टीचिंग मोड्स के जरिए किया जाना चाहिए। यह बात आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर और प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने कही।

वे गुरुवार को आईआईएम में शुरू हुई पांच दिनी छठी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। इसका सब्जेक्ट था एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन (सीईआई)। इसको इंस्टिट्यूट के पार्टिसिपेंट्स ऑफ फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) ने आर्गनाइज किया। इसका उद्घाटन डॉ. कृष्णन के साथ ही आईआईएम बैंगलुरु के प्रोफेसर रामाधार सिंग, एफपीएम के रंजीत नंबूद्री और कॉन्फ्रेंस के को-आर्डिनेटर शशिकांत ने किया। की नोट स्पीकर रामाधार सिंग ने सोशल रिसर्च में मेथडलॉजिकल रिवोल्यूशंस में अपने पिछले पांच दशकों के अनुभवों को रोचक कहानियों के जरिए शेयर किया। उन्होंने कैजुअल इफेक्ट एनालिसिस और टेस्ट हाइपोथिसिस के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।



► कॉन्फ्रेंस में इंटररेक्टर करता हुआ एक पार्टिसिपेंट।

## डॉक्टरल रिसर्च को किया जाए प्रमोट

कॉन्फ्रेंस का मकसद है कि एजुकेशन में रिसर्च को इनकरेज और एकेडमिक इंस्टिट्यूशंस में डॉक्टरल रिसर्च को प्रमोट किया जाए। यह रिसर्च वर्क की शेयरिंग के लिए एक फोरम है। न्यू इनिशिएटिव्स तथा पार्टनरशिप के लिए प्लेटफॉर्म मुहैया कराया जाना भी इसका एक मकसद है। रिसर्चर्स एजुकेशनल इंस्टिट्यूशंस, इंडस्ट्री तथा रिसर्च आर्गनाइजेशंस के एक्सपर्ट्स के साथ इंटरैक्ट भी कर सकें।

## 150 पार्टिसिपेंट्स शेयर करेंगे आइडियाज

इसमें 150 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स भाग ले रहे हैं। ये अमेरिका, कनाडा, यूगांडा और पड़ोसी देशों से आए हैं। ये पांच दिनी इस कॉन्फ्रेंस में अपनी रिसर्च और आइडियाज एक-दूसरे शेयर करेंगे। इसमें इकोनॉमिक्स, फाइनेंस, इन्फॉर्मेशन सिस्टम, मार्केटिंग और ह्यूमन रिसोर्सेस, बिजनेस कम्प्यूनिकेशन, कॉर्पोरेट गवर्नेंस जैसे सब्जेक्ट पर 650 रिसर्च पेपर्स आए हैं। ये पार्टिसिपेंट्स अगले चार दिनों में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिगापुर के प्रोफेसर सुरेंद्र राजीव और एस्टन यूनिवर्सिटी ऑफ यूके के प्रो. पवन बधवार के साथ इंटरैक्ट करेंगे।



# ‘टीचिंग में इनोवेशन की जरूरत’

आईआईएम इंदौर में 5 दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के पहले दिन डायरेक्टर आर.टी कृष्णन ने कहा

**plus** रिपोर्टर

indoreplus@patrika.com

इंदौर. टीचिंग में इनोवेशन की सख्त जरूरत है। इसके लिए पार्टिसिपेंट्स पर केंद्रित लर्निंग को बढ़ावा देना होगा। साथ ही टीचिंग के गैर पारंपरिक तरीकों को भी अपनाना होगा। ये कहना है आईआईएम के डायरेक्टर ऋषिकेश टी कृष्णन का। वे गुरुवार को आईआईएम में ‘एक्सीलेंस इन रिसर्च एंड एजुकेशन’ विषय पर आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। कॉन्फ्रेंस का मकसद एजुकेशन में रिसर्च और एकेडमिक इंस्टीट्यूट में डॉक्टरल रिसर्च को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर आईआईएम बैंगलूर के



दीप जलाते हुए आर.टी कृष्णन और प्रो. रामाधार प्रोफेसर रामाधार सिंह ने सोशल रिसर्च में क्रांति को लेकर अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने ‘कैजुअल इम्पैक्ट एनालिसिस’ के बारे में जानकारी दी। अपनी बातों को शेयर करने के

लिए विभिन्न छोटी कहानियों का सहारा भी लिया। आईआईएम के पीआरओ अख्तर परवेज ने बताया इस साल कॉन्फ्रेंस के लिए करीब 650 रिसर्च पेपर का आवेदन आए थे। इनमें से सिर्फ 30 परसेंट पेपर को ही कॉन्फ्रेंस में शामिल किया गया है। इनमें से 10 परसेंट पेपर को कॉन्फ्रेंस के बाद प्रकाशित किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में यूएस, कनाडा, यूगांडा सहित विभिन्न देशों के करीब 150 से अधिक पार्टिसिपेंट्स हिस्सा ले रहे हैं। कॉन्फ्रेंस में आने वाले दिनों में सिंगापुर की नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो. सुरेन्द्र राजीव और यूके की एस्टन यूनिवर्सिटी के प्रो. पवन बधवार सहित विभिन्न प्रॉमिनेंट स्पीकर शामिल होंगे।